

## बिहार बाढ़ को राष्ट्रीय प्राथमिकता माना गया

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में **केंद्रीय बजट 2024** में **कोसी** नदी के जल का दोहन और उपयोग करने के लिये 11,500 करोड़ रुपए आवंटित किये गए- यह एक ऐसी नदी है जिसे अत्यधिक अप्रत्याशित माना जाता है तथा जो अपने मार्ग को बदलने के लिये प्रवण है।

- कोसी नदी को "बिहार का शोक (Sorrow of Bihar)" कहा जाता है, क्योंकि नेपाल से बहकर आने के बाद यह राज्य के उत्तरी भाग के एक बड़े क्षेत्र में व्यापक वनाश करती है।
- मुख्य बटु**
  - सूत्रों के अनुसार, यह पहली बार है जब बिहार में बाढ़ की समस्या को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में मान्यता दी गई है।
  - वशिष श्रेणी का दर्जा** न मलिन के बावजूद राज्य को महत्त्वपूर्ण लाभ प्राप्त हुए, जिनमें चार एक्सप्रेसवे, गंगा पर दो लेन का पुल, एक वदियुत संयंत्र, हवाई अड्डे और मेडिकल कॉलेज शामिल हैं।
  - इसके अतिरिक्त, बजट में गया में औद्योगिक नोड, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और बहुपक्षीय संस्थाओं से धन प्राप्ति के लिये सहायता की घोषणा की गई।
    - गया में वशिषुपद और महाबोध मंदिर कॉरिडोर के साथ-साथ राजगीर तथा नालंदा के विकास योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया।

### कोसी नदी तंत्र



- कोसी एक सीमा-पार नदी है जो तबिबत, नेपाल और भारत से होकर प्रवाहति होती है।
- इसका स्रोत तबिबत में है जसिमें वशिव की सबसे ऊँचाई पर स्थति भू-भाग शामिल है; इसके बाद यह गंगा के मैदानों में उतरने से पहले नेपाल के एक बड़े भाग से प्रवाहति होती है
- इसकी तीन प्रमुख सहायक नदियाँ- सूर्य कोसी, अरुण और तैमूर हमिलय की तलहटी से कटी हुई 10 कमी. की घाटी के ठीक ऊपर एक बटुि पर मलिती हैं
- यह नदी भारत के उत्तरी बहिर में कटहिर ज़लि के कुरुसेला के पास गंगा में मलिने से पहले कई शाखाओं में बँट जाती है
- भारत में ब्रह्मपुत्र के बाद कोसी में अधिकितम मात्रा में गाद और रेत पाई जाती है
- इसे "बहिर का शोक" के रूप में भी जाना जाता है क्यौंकि वार्षकि बाढ़ लगभग 21,000 वर्ग कमी. क्षेत्र को प्रभावति करती है। उपजाऊ कृषिभूमि के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्रभावति हो रही है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/bihar-floods-recognised-as-national-priority>

